CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

केरल सरकार डोरस्टेप डिलीवरी के माध्यम से पशु चिकित्सा सेवाओं का विस्तार करेगी

केरल के पशुपालन और डेयरी विकास मंत्री जे. चिंचू रानी ने सभी पशुपालकों को शामिल करने के लिए घर तक पशु चिकित्सा सेवाओं का विस्तार करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य किसानों के दरवाजे तक सीधे आवश्यक पशु चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। केंद्रीय समर्थन से 29 ब्लॉकों में मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयाँ (एमवीयू) पहले ही शुरू की जा चुकी हैं, और शेष ब्लॉकों में एमवीयू का विस्तार करने के लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है।

मंत्री चिंचू रानी ने स्वीकार किया कि केंद्रीय धन हासिल करने में देरी से पशुपालन विभाग के प्रयासों में बाधा उत्पन्न हुई है। सेवा दक्षता बढ़ाने के लिए, सरकार चेंगन्नूर हैचरी में लगभग 100 अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करने की योजना बना रही है। चेंगन्नूर सेंट्रल हैचरी के पुलियूर परिसर में नए स्टाफ क्वार्टर का उद्घाटन करते हुए, यह पहल पशुधन स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करती है।

गांठदार त्वचा रोग से प्रभावित किसानों के लिए वित्तीय सहायता शुरू की गई

पशुपालन विभाग ने गांठदार त्वचा रोग के कारण नुकसान झेलने वाले डेयरी किसानों को वित्तीय सहायता का वितरण शुरू किया। राज्य स्तरीय वितरण का उद्घाटन करते हुए, पशुपालन मंत्री जे. चिंचुरानी ने प्रभावित किसानों को पूर्ण सरकारी सहायता का आश्वासन दिया। विभिन्न जिलों में आगे वितरण की योजना के साथ, 146 किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

गांठदार त्वचा रोग ने विभिन्न क्षेत्रों में गाय, बछिया और बछड़े सहित 854 मवेशियों की जान ले ली है। सरकार गायों के लिए ₹10,000, बछड़ियों के लिए ₹8,000 और बछड़ों के लिए ₹6,000 की सहायता प्रदान कर रही है। यह पहल केरल को गांठदार त्वचा रोग से जूझ रहे किसानों को वित्तीय सहायता देने वाला पहला राज्य बनाती है। यह सहायता पशुपालन विभाग की योजना निधि से वित्त पोषित है।

पॉक्सविरिडे वायरस के कारण होने वाला गांठदार त्वचा रोग, मच्छरों, मक्खियों और किलनी के माध्यम से फैलता है और मनुष्यों या अन्य जानवरों को प्रभावित नहीं करता है। वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष डी. सुरेश कुमार ने की, जिसमें पशुपालन विभाग के प्रमुख अधिकारी शामिल हुए।

तमिलनाडु ने दूध खरीद को बढ़ावा देने और डेयरी किसानों को समर्थन देने के प्रयासों का विस्तार किया

आविन द्वारा दूध की आपूर्ति में कथित गिरावट के बारे में चिंताओं को संबोधित करते हुए, थंगराज ने दृढ़ता से कहा कि आविन बाजार की मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने इस साल दूध की बिक्री में 8% की वृद्धि पर प्रकाश डाला और दूध की कमी के दावों को निराधार बताया।

तमिलनाडु के डेयरी विकास मंत्री मनो थंगराज ने राज्य में दूध खरीद बढ़ाने के लिए एक व्यापक रणनीति की घोषणा की। कोयंबटूर में डेयरी विकास विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक के बाद, थंगराज ने खुलासा किया कि दो लाख से अधिक डेयरी किसानों को दूध उत्पादन और इसके परिणामस्वरूप खरीद को बढ़ावा देने के प्रयास के तहत ऋण प्राप्त हो रहा था।

सरकार अतीत के मानकीकृत मूल्य निर्धारण के विपरीत, बकाया राशि का तुरंत निपटान और गुणवत्ता-आधारित खरीद मूल्य निर्धारण लागू करके डेयरी किसानों की जरूरतों को सक्रिय रूप से संबोधित कर रही है। इसके अलावा, एविन अधिकारियों की देखरेख में शिक्षित युवाओं को वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करके डेयरी फार्मिंग में उद्यम करने के लिए प्रोत्साहित करने की पहल चल रही है। इसके अतिरिक्त, विभाग आविन कर्मियों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

बांदीपुरा जिले ने दूध उत्पादन में राष्ट्रीय औसत को दोगुना किया, आत्मनिर्भरता हासिल की

पशुपालन विभाग और स्थानीय किसानों के प्रयासों की बदौलत उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले ने दूध उत्पादन में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है और आत्मनिर्भरता हासिल की है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि जिला प्रति व्यक्ति 1000 मिलीलीटर दूध का उत्पादन करता है, जो राष्ट्रीय औसत 444 मिलीलीटर से दोगुना है। अधिकारियों ने कहा कि 2022-23 के लिए कुल दूध उत्पादन 135 मीट्रिक टन था, जो पिछले वर्षों की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक है।

लगभग 18,000 से 20,000 लीटर का अधिशेष दूध स्थानीय प्रसंस्करण इकाइयों को भी आपूर्ति किया जाता है, जिनमें से एक अद्वितीय और अपनी तरह का है और ब्रांड नाम 'केस्परिया' के तहत दूध उत्पादों का उत्पादन करता है। मुख्य पशुपालन अधिकारी, गुलाम अहमद लोन ने ग्रेटर कश्मीर को बताया कि विभाग ने लाभार्थियों को भेड़ इकाइयाँ प्रदान की हैं, जिससे कई लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।
उन्होंने कहा कि डेयरी उत्पादन से जुड़े 80 प्रतिशत लोग शिक्षित युवा हैं। लोन ने कहा कि उद्यमिता ने जिले में 1200 युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा किये हैं।

किसानों को मजबूत एवं प्रचुर मात्रा में दूध देने वाली नस्लें उपलब्ध कराने के लिए कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम में जिले ने शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया है। लोन ने कहा कि विभाग ने विभिन्न डेयरी इकाइयों में सैकड़ों क्रॉस-ब्रीड जर्सी गायों और क्रॉस-ब्रीड होल्स्टीन को शामिल किया, जो सफल साबित हुई। उन्होंने कहा कि विभाग ने डेयरी फार्म विकसित करने के लिए एक योजना के तहत 3 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी प्रदान की है।

जम्मू डीडीसी डेयरी क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक कृषि विकास को बढ़ावा देता है

जिले में समग्र कृषि विकास कार्यक्रम (एचएडीपी) की प्रगति का आकलन करने के लिए हाल ही में एक बैठक में, जिला विकास आयुक्त सचिन कुमार वैश्य ने भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयासों की आवश्यकता पर बल देते हुए, डीडीसी ने कृषि पर निर्भर परिवारों की बेहतरी के लिए क्षेत्र-विशिष्ट कार्यक्रमों को लागू करने के महत्व को रेखांकित किया।

बैठक में मटन, ऊन, खाल उत्पादन, प्रसंस्करण और स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों के समर्थन पर भी चर्चा हुई। मत्स्य पालन विभाग ने मिनी फीड मिल, बायो फ्लॉक यूनिट, बैकयार्ड मिनी रीसर्क्युलेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम, कार्प यूनिट निर्माण जैसी पहलों की रूपरेखा तैयार की और प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना पर प्रकाश डाला।

एचएडीपी और अन्य सरकारी योजनाओं के तहत लाभों के समान वितरण पर जोर देते हुए, विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित योजनाओं की स्थिति पर रिपोर्ट दी। पशुपालन विभाग की चर्चा में पशुधन और मुर्गीपालन क्षेत्र, सब्सिडी, परिचालन चुनौतियां और एकीकृत डेयरी विकास योजना और राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम जैसी योजनाओं के लिए अनुमोदन प्रक्रियाएं शामिल थीं।

बैठक में डेयरी क्षेत्र के प्रदर्शन और समावेशिता को बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने के साथ कृषि विकास के प्रति व्यापक दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया।

पूर्वोत्तर भारत की सबसे बड़ी डेयरी सहकारी संस्था ने किसानों की आय में 1.47 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की

एक महत्वपूर्ण कदम में, क्षेत्र की सबसे बड़ी डेयरी सहकारी समिति के संचालक, वेस्ट असम मिल्क प्रोड्यूसर्स को-ऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड (WAMUL) ने पूर्वोत्तर में किसानों को दूध खरीद मूल्य के रूप में अतिरिक्त 147.91 लाख रुपये जारी करने की घोषणा की है। क्षेत्र। इस फैसले से WAMUL से जुड़े हजारों डेयरी किसानों की आय पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

गुवाहाटी स्थित WAMUL ने खुलासा किया कि इस निर्णय के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2022-2023 के लिए WAMUL से जुड़े दूध उत्पादकों को 41.29 लाख रुपये का वितरण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अप्रैल से अगस्त 2023 की अवधि के लिए WAMUL से जुड़े दुग्ध उत्पादकों को अतिरिक्त 106.62 लाख रुपये आवंटित किए जाएंगे।

त्योहारी सीज़न के दौरान होने वाला यह कदम न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ाता है बल्कि राज्य में 25,000 लोगों का नेटवर्क बनाने वाले डेयरी किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक डेयरी प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के मार्गदर्शन में पूरबी डेयरी कृषक समुदायों, विशेषकर महिलाओं को सशक्त बनाकर और अपनी उत्पाद श्रृंखला और बाजार पहुंच का विस्तार करके राज्य के ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण रही है। चूंकि यह राज्य के कृषि क्षेत्र में नवाचार और समर्थन जारी रखता है, यह एक संपन्न और आत्मनिर्भर असम की भावना का प्रतीक है।

एनआईएबी वैज्ञानिकों ने मवेशियों में गांठदार त्वचा रोग के खिलाफ आशाजनक टीका विकसित किया है

एक महत्वपूर्ण सफलता में, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एनिमल बायोटेक्नोलॉजी (एनआईएबी) के वैज्ञानिकों ने मवेशियों में गांठदार त्वचा रोग (एलएसडी) से निपटने के लिए एक नया टीका तैयार किया है। लम्पी स्किन डिजीज वायरस (एलएसडीवी) के कारण होने वाला एलएसडी, 2019 में अपनी पहली उपस्थिति के बाद से भारतीय किसानों के लिए विनाशकारी रहा है। 2022 में सबसे हालिया प्रकोप ने सात राज्यों में 80,000 से अधिक मवेशियों की जान ले ली।

संबंधित विकास में, एक अन्य एनआईएबी अनुसंधान टीम ने एक नैदानिक नमूने से एलएसडीवी के पूर्ण जीनोम को सफलतापूर्वक अनुक्रमित किया, जिससे देश में इसकी विषाक्तता और वायरस के मार्ग पर जोर दिया गया। यह सफलता भविष्य में एलएसडी के प्रकोप के लिए तेजी से निदान और प्रभावी रणनीति विकसित करने में सहायता कर सकती है।

आनंद श्रीवास्तव के नेतृत्व में अनुसंधान दल ने वैक्सीन के लिए मल्टी-एपिटोप प्रोटीन डिजाइन करने के लिए कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान का उपयोग किया। यह दृष्टिकोण पारंपरिक जीवित क्षीण टीकों के लिए एक सुरक्षित और अधिक लागत प्रभावी विकल्प प्रदान करता है, जिसके लिए कोल्ड चेन की आवश्यकता होती है।

एनआईएबी वैज्ञानिकों के ये अग्रणी प्रयास किसानों और पशु उद्योग के लिए आशा लेकर आए हैं, जो आजीविका और भोजन उपलब्धता दोनों पर एलएसडी के विनाशकारी प्रभाव से निपटने के लिए एक आशाजनक समाधान पेश करते हैं।
एलएसडीवी के सभी 32 संरचनात्मक/सतह प्रोटीनों का विश्लेषण करके, टीम ने बी-सेल और टी-सेल मध्यस्थता प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं दोनों के लिए चार संभावित लक्ष्यों की पहचान की। उम्मीदवार का टीका अब आगे के सत्यापन के लिए पशु परीक्षणों से गुजरेगा।

हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

CEDSI : रिविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया